SYLLABUS

2015-2016

PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY

RAIPUR

CHHATTISGARH

एम.ए. एप्लायड फिलॉसफी एण्ड योग ; अनुप्रयुक्त दर्शन एवं योग
समस्त संशोधन सत्र 2010....11 से प्रभावी

नोट :.— विद्यार्थियो को दर्शन शास्त्र विषय का सामान्य परिचय अपेक्षित है।
पुस्तकों की जानकारी विषय शिक्षकों द्वारा छात्रों कों दी जाएगी।

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र दर्शनशास्त्र परिचय

इकाई 1:— दर्शन शास्त्र की परिभाषाए विषय वस्तु और महत्व ;भारतीय और पाश्चात्य दृष्टिकोणद्ध
इकाई 2:— तत्व मीमांसा का अर्थ विषयवस्तु महत्वए परम सत्एजगतए आत्मा ।
इकाई 3:— ज्ञान मीमांसा— ज्ञान का स्वरुप प्रमाण, प्रामाण्यवाद, भ्रम के सिद्वांत, ख्यातिवाद ।
इकाई 4:— नीति मीमांसा — नीतिशास्त्र का स्वरुप नैतिक मूल्य, पूर्णतावाद, उपयोगितावाद ।
इकाई 5:— अनुप्रयुक्त दर्शन— अर्थस्वरुप महव ।

पुस्तक सूची

1. दर्शन विवेचना	वेदप्रकाश वर्मा
2. तत्व मीमांसा एवं ज्ञान मीमांसा	केदारनाथ तिवारी
3 .भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण	संगमलाल पांडेय

द्वितीय प्रश्न पत्र योग की दार्शनिक पृष्ठभूमि

इकाई 1 :—भारतीय दर्शन की सामान्य विशेषताए, भारतीय दर्शन में योग का महत्व।
इकाई 2 :—योग की दार्शनिक पृष्ठभूमि, सांख्य —दर्शन सांख्य और योग संबंध पुरुष सिध्दि, बंधन।
इकाई 3 : सांख्य प्रकृति. सिध्दि, स्वरुप विकासवाद कैवल्य।
इकाई 4 : योग सूत्र . अष्टांग योग परिचय।
इकाई 5 :— गीता में योग के विविध रुप, भक्ति ज्ञान एकर्म।

पुस्तक सूची

1 योगदर्शन	डॉ.सम्पूर्णानंद
2 पंतजल योगविमर्श	विजयपाल शास्त्री
3 भारतीय दर्शन की रुपरेखा	एम हिरियन्ना
4 सांख्यतत्व कौमुदी	वाचस्पति मिश्र

तृतीय प्रश्न पत्र हठयोग सिद्वांत एवं साधना

इकाई 1 :— हठयोग की परिभाषा अभ्यास हेतु उचित स्थान, ऋतुकाल।
साधना में साधक व बाधक तत्व। हठ सिध्दिके लक्षण ।
हठयोग की उपादेयता योगाभ्यास के लिए पथ्यापथ्य निर्देश।
इकाई 2 :— हठ योग प्रदीपिका में वर्णित आसनों की विधि व लाभ।
प्राणायाम की परिभाषा, प्रकार, विधि, प्राणायामकी उपयोगिता।
षट्कर्म वर्णन, धौति, वस्ति, नेति, नौलि त्राटक, कपाल—भाति की विधि व लाभ।

इकाई 3 :– कुंडलिनी का स्वरुप, जागरण के उपाय।
बंध.मुद्रा वर्णन, एमहामुद्रा, एमहाबंध, एमहावेध, खेचरी, उडडीयान बंध, जालंधर, मूलबंध विपरीतकरणी, बज्रोली, शक्तिचालिनी समाधि का वर्णन नादांनुसंधान।
इकाई 4 :– सप्तसाधन घेरण्ड संहिता में वर्णित षटकर्म – धौति, वस्ति, नेति, नौलि त्राटक कपालभाति की विधि सावधानियां व लाभ।
इकाई 5 :– घेरंडसंहिता के आसन, प्राणायाम, मुद्राए, प्रत्याहार, ध्यान व समाधि का विवेचन।

पुस्तक सूची

1.	हठयोग प्रदीपिका	प्रकाशक कैवल्यधाम लोणावाला
2.	घेरण्ड संहिता	प्रकाशक कैवल्यधाम लोणावाला
3.	योगांक ए कल्याण विशेषांक	गीता प्रेस गोरखपुर
4.	हठयोग	स्वामी शिवानंद
5	योंग विज्ञान	स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती

चतुर्थ प्रश्नपत्र क्रियात्मक

पवनमुक्तासन एक दो एवं तीन सूर्यनमस्कार ।

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र चेतना का अध्ययन

इकाई 1 :– चेतना का अर्थ, परिभाषा स्वरुप, अध्ययन की आवश्यकता
इकाई 2 :– उपनिषद, बौद्व, जैन मतानुसार चेतना
इकाई 3 :– चेतना का स्वरुप, अद्वैत वेदांत, सांख्य मत, आत्मा, ब्रहम, पुरुष. सिद्वि, बहुत्व
इकाई 4 :– चेतना का स्वरुप, हुसर्ल, सार्त्र, श्री अरविंद
इकाई 5 :– मानव का स्वरुप राधा कृष्णन, रवीन्द्रनाथ टैगोर

पुस्तकसूची

1	समकालीन भारतीय दर्शन	बी के लाल
2	समकालीन पाश्चात्य दर्शन	बी के लाल
3	समकालीन पाश्चात्यदर्शन	लक्ष्मी सक्सेना

द्वितीय प्रश्न पत्र पातंजल योगसूत्र

इकाई 1:– योग की परिभाषा, चित्त चित्तकी भूमियॉ, चित्तकी वृत्तियॉ
अभ्यास और वैराग्य, समाधि के भेद, ईश्वरत्व, ईश्वर प्राणिधान चित्त प्रसादन के उपाय ऋतंभराप्रज्ञा।
इकाई 2:– पंचक्लेश, दु:खका स्वरुप, चतुर्व्यूवाद, विवेकख्याति, सप्तधाप्रज्ञा ।
इकाई 3:– योग के आठ अंग यम, नियम, इनके सिद्वि का फल,
वितर्क विवेचन प्राणायाम का फल, प्रत्याहार का फल।
इकाई 4:– धारणा, ध्यान और समाधि संयमचित्त का परिणाम, विभूति और उसके भेद, कैवल्य का स्वरुप ।
इकाई 5: सिध्दि के पांच भेद, निर्माण चित्त कर्म के भेद, दृष्टा और दृश्य
धर्ममेध समाधि, आधुनिक जीवन में ध्यान की प्रासंगिकता ।

संदर्भग्रथ सूचीः–

1	योग सूत्रतत्ववैशारदी	वाचस्पति मिश्र
2	योग सूत्र योग वर्तिका	विज्ञानभिक्षु
3	योग सूत्र राज मार्तंड	हरिहरानंद आरण्य
4	पातंजल योगप्रदीप	ओमानंद तीर्थ
5	पातंजल योग विमर्श	विजयपाल शास्त्री
6	ध्यान योग प्रकाश	लक्ष्मणानंद
7	योग दर्शन	राजवीर शास्त्री

तृतीय प्रश्नपत्र योग एवं स्वास्थ्य

इकाई 1ः–स्वास्थ्य की परिभाषा, स्वस्थ पुरुष के लक्षण, दिनचर्या–मुखशोधन, व्यायाम की परिभाषा, योग्यायोग्य प्रकार, लाभ, स्नान के लाभ एवं दोष के अनुसार स्नान संध्योपासना, योगाभ्यास । रात्रिचर्या –निद्रा एवं ब्रहमचर्य,. ऋतुचर्या, ऋतुविभाजन, ऋतु के अनुसार दोषो का संचय प्रकोप व प्रशमन। सदवृत्त एवं आचार रसायन ।

इकाई 2ः–आहार की परिभाषा, आहार के गुण व कर्म। आहार के घटकद्रव्य –कार्बोज, वसा, प्रोटिन ,खनिजपदार्थ, जीवनीय तत्व जल। आहार की मात्रा व काल, संतुलित आहार। दुग्धाहार, फलाहार, अपक्वाहार, मिताहार उपवास। शाकाहार व मांसाहार के अवगुण । अंकुरित आहार के लाभ, योगाभ्यासी के लिए निषिद्व आहार।

इकाई 3ः–निम्नलिखित रोगों का लक्षण, कारण व यौगिक उपचार अग्निमांद्य, अजीर्ण, पीलिया, कोष्ठबद्वता, अम्लपित्त, ग्रहणी, कोलाइटिस, दमा, उच्च व निम्न, रक्तचाप गृध्रसी; साइटिका, आमवात; अर्थराइटद्ध, वातरक्त; गठिया द्ध।

इकाई 4ः–नाभि टलना, चर्मरोग, प्रतिश्याय, कर्णबाधिर्य, नासांकुर वृद्वि, पोलिपस एबाल झड़ना, दृष्टि क्षीणता, सर्वाइकल स्पाडोंलाइटिस, धातुदौर्बल्य, मधुमेह, बौनापन कष्टार्तव, श्वेतप्रदर, कटिशूल।

इकाई 5– आधुनिक जीवन शैली में योग की प्रासंगिकता एसावधानियॉ एवं निदान

संदर्भ ग्रथ

1	स्वस्थवृत विज्ञान	रामहर्ष ।
2	यौगिक चिकित्सा	कुवल्यानंद
3	योग से आरोग्य	कालिदास

चतुर्थ प्रश्नपत्र कियात्मकए

1 प्राणायाम, मुद्रा एवं बंध किया प्रथम सेमेस्टर के आसनों के साथ

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र श्रीमद् भगवद गीता दर्शन एवं योग साधना के तत्व

इकाईः 1– श्रीमद् भगवद गीता का स्वरुप, रचनाकाल, श्रीमद् भगवदगीता का दार्शनिक एवं आध्यात्मिक महत्व। मानवीय चिंतन एवं जीवन पर विश्वव्यापी प्रभाव।

इकाईः 2– श्रीमद् भगवदगीता के कुछ प्रमुख भाष्यकारो का जीवन परिचय उनकी योग साधनाए एवं भाष्य की विशेषताएं, आचार्य शंकर, आचार्य रामानुज, लोकमान्य तिलक तथा गॉधी के संदर्भ में।

इकाईः 3– श्रीमद् भगवदगीता का तत्व विचार, माया, प्रकृति, पुरुष, ईश्वर तथा अवतार तत्व का स्वरुप, श्रीमद्भगवद गीता का आचार शास्त्र।

इकाईः 4– गीता में योग की प्रवृत्ति व स्वरुप। योग के भेदए कर्मयोग, भक्ति योग, ज्ञानयोग, ध्यान योग का स्वरुप। भक्त, कर्मयोगी व ज्ञानयोगी व ज्ञानी तत्व के लक्षण, स्थितप्रज्ञ का तत्व दर्शन।

इकाई 5– गीता का निष्काम कर्मयोग, ज्ञान भक्ति एवं कर्म योगों का समन्वय।

संदर्भग्रथ सूची

1	श्रीमद्भगवदगीता	रामानुज भाष्य
2	गीतांक	गीताप्रेस गोरखपुर
3	गीतामाता	गॉधी
4	गीता प्रवचन संत	विनोवाभावे
5	श्रीमदभगवदगीता ;गीतारहस्यद्ध	लोकमान्य तिलक
6	श्रीमद्भगवदगीता	शांकरभाष्य

द्वितीय प्रश्न पत्र आसन और प्राणायाम का वैज्ञानिक अध्ययन

इकाई 1ः– आसन परिभाषा, उददेश्य, आसनों का वर्गीकरण आसन और व्यायाम में अंतर बंधो का वैज्ञानिक विवेचन।

इकाई 2ः– ध्यानात्मक शरीर–सम्वर्धनात्मक एवं विश्रामात्मक आसनों का वैज्ञानिक विवेचन, शुद्विक्रियाओं, षठकर्मो का वैज्ञानिक विवेचन।

इकाई 3ः– प्राणायाम की परिभाषाए प्राणायाम के गुण विशेष प्राणायाम की प्रक्रिया का वैज्ञानिक विवेचन, श्वसन तंत्रकी क्रियाविधि, प्राणायाम के संदर्भ में दीर्घश्वसन एवं प्राणायाम में अंतर ।

इकाई 4ः– प्राणशक्ति के पॉच स्वरुप, विभिन्न रोगों के निदान में प्राणायाम की उपयोगिता, आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययन कें संदर्भ में।

इकाई 5ः– प्राणायाम में ध्यानात्मक आसनों व बंधोकी अनिवार्यता का वैज्ञानिक विवेचन ।

संदर्भ ग्रथ सूचीः–

1	प्राणशक्ति एक दिव्य विभूति	पं श्री राम शर्मा आचार्य सम्पूर्ण वांड़मय
2	योगासन और स्वास्थ्य	डॉ लक्ष्मीनारायण अग्रवाल
3	आसन प्राणायाम से आधि	व्याधि निवारण्ण–ब्रम्हवर्चस
4	योग दीपिका	बीके एस आयंगर
5	योग एवं यौगिक चिकित्सा	प्रो रामहर्ष सिंह

तृतीय प्रश्न पत्र समाजदर्शन

इकाईः– 1 समाज दर्शन का उददेश्य, स्वरुप, विशेषताएं

इकाईः– 2 समाज के आधारभूत तत्व समाज की उत्पत्तिः– दैवी सिद्वांतए विकासवादी सिद्वांत

इकाईः– 3 समाज और संस्कृति धर्म और समाज धर्म और राजनीति में संबंध
इकाईः– 4 राजनैतिक आदर्श –समाजवाद साम्यवाद अराजकतावाद फासीवाद राष्टवाद
इकाईः– 5 गांधीवाद– धर्म और राज्य, रामराज्य की अवधारणा, विशेषताएं एकात्म मानववाद सामाजिक और राजनैतिक आदर्श के रुप

सहायक पुस्तकें

1	समाजदर्शन की भूमिका	जगदीश सहाय श्रीवास्तव
2	समाजदर्शन परिचय	शिवभानु सिंह
3	समाज दार्शनिक परिशीलन	यशदेवशल्य

चतुर्थ प्रश्नपत्र

क्रियात्मक षटकर्म प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के आसनों के साथ पेपर

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र शिक्षादर्शन

इकाईः–1 शिक्षा का अर्थ परिभाषा स्वरुप उददेश्य दर्शन –अर्थ परिभाषा स्वरुप
इकाईः–2 शिक्षा के दार्शनिक आधार प्रयोजनवाद प्रकृतिवाद यथार्थवाद अस्तित्ववाद
इकाईः–3 दयानंद सरस्वती विवेकानंद श्री अरविंद टैगोर और गांधी का शिक्षा दर्शन
इकाईः–4 मूल्यपरक शिक्षा वांछित मूल्य धर्म–अर्थ काम मोक्ष स्वधर्म आत्मगौरव
इकाईः–5 भारत में शिक्षा समस्यायें समाधानः–धार्मिक शिक्षा एसंस्कृतिऋ संकट रोजगार परकता नारी सशक्तिकरण राष्टीय एकता परीक्षा प्रणाली

सहायक पुस्तकें

1	पाश्चात्य एवं भारतीय शिक्षा दार्शनिक	रामशकल पाण्डेय
2	शिक्षा की दार्शनिकएवं सामाजिक पृष्ठभूमि	रामशकल पाण्डेय
3	शिक्षा के दार्शनिक आधार	एन के शर्मा

द्वितीय प्रश्न पत्र शरीर एवं शरीर क्रियाविज्ञान

इकाईः–1 शरीर रचना का सामान्य परिचय चलन तंत्र रक्त वाहिका तंत्र पाचन तंत्र श्वसन तंत्र मूत्र –जनन तंत्र तंत्रिका तंत्र उत्सर्जन तंत्र तथा संतुलित आहार।
इकाईः–2 कंकाल तंत्र उर्ध्व शाखा का कंकाल अधःशाखा का कंकाल ।
इकाईः–3 परिसंचरण तंत्र हृदय हृदयचक हृदय संरोध के कारण एवं बचाव के उपाय यौगिक सावधानियां एव निदान रक्त की संरचना।
इकाईः–4 पाचन तंत्र रक्त वाहिका तंत्र तथा श्वसन तंत्र इनकी कार्य प्रणाली पर यौगिक क्रियाओं का प्रभाव।
इकाईः–5 मूत्रजनन तंत्र उत्सर्जन तंत्र तथा तंत्रिका तंत्र इनकी कार्यप्रणाली पर योगिक

सहायक पुस्तकें

1 शरीर और शरीर किया विज्ञान मन्जु गुप्त
2 ।दंजवउल ंदक चेलेपवसवहल म्अमसलन च्मंतबम

तृतीय प्रश्नपत्र

यह प्रश्न पत्र दो भागों में विभक्त होगा
1 परियोजना कार्य 75 अंक
2 शैक्षिक भ्रमण/मौखिकी 25 अंक

चतुर्थ प्रश्न पत्र

1 उच्च स्तरीय योगिक क्रियाएं 2 शोधन क्रियाएं
3 प्राणायाम 4 बंध एवं मुद्रा 5 ध्यान

M.A. Philosophy (Semster System Syllabus)
For SOS and Colleges Effective from Session 2011-12.

There shall be four semesters ,each semester shall consist four papers Each paper shall carry 100 marks.(80 theory+20 internal.)

Semester -I

Paper -I Indian Ethics

Unit -I. Presuppositin of Indian, Dharma asethical code, Concepts of Rta, Rina and Yajna.
Unit -II. Law of Karma and its mporal implication ,Karma Yoga
Unit-III. Nishkam Karma, Swadharma and LokaSamgraha of Gita, Triratna of Jaina Ethics.
Unit -IV. Ashtanga Yoga of Patanjali and Eight fold path of Buddha.
Unit -V. Sadhana Chatushtaya -means of ethical life.

Paper -II Indian Logic.

Unit -I. Nature of Indian logic,Relation of logic with Epistemology and Metaphysics, Concept of Purvapaksha, Siddhanta paksha,and Anvikshiki.
Unit-II. Definition and constituents of Anumana--Nyaya ,Buddhist and Advaitic perspective.
Unit-III. Types of Anumana- Nyaya ,Buddhist and Advaitic perspective.
Unit- IV. Vyapti,Paksha and Paramarsha,Jaina theory of Anumana.
Unit-V. Hetvabhasas.

Paper-III.Indian Epistemology.

Unit I. Definition and nature of Cognition, Prama and Aprama, Nature of Indriyas.
Unit-II Origin and ascertainment of validity,Swatah and Paratah pramanya.
Unit-III. Debate about validity and invalidity of dream and memory cognitions, meaning of khyativada, Sadkhyati and asadkhyati.

Unit-IV. Akhyativada, Anyatha khyativada, Atma khyativada,
Anirvachaniyakhyativada Sadasadkhyativada,Viparitakhyativada.
Unit-V. Breif study of Pratyaksha,Shabda,Arthapatti and Anupalabdhi pramanas.

Paper-IV. Indian Metaphysics.
Unit-i. Nature of metaphysics, Concept of Reality, Appearance and Relation.
Unit-ii. Monism, Dualism, Advaitism--debates regarding Reality.
Unit-iii. Theories of cause and effect,Parinamavada , vivartavada,
Maya in different schools of Vedanta.
Unit-iv. Shunyavada,Brhmavada,Theism ,Naterialism.
Unit-v. Cosmology--Advata, Visishtadvaita and Dvaita.

Semester II

Paper-I Western Ethics..
Unit-i. Definition, nature and scope of ethics,Difference between Ethical and social values.
Unit-ii. Emotivism--A.J.Ayer. Prescriptivism--R.M.Hare.
Unit-iii. Utilitarianism-for and against, Neo-naturalism.
Unit-iv. Kantianism-for and against.
Unit-v. Righst, Duties, Responsibilities and Justice.

Paper-II Western Logic
Unit-i. Definition and nature of logic,Trtuth and validity, Induction and Deudction.
Unit-ii. Categorical proposition,Categorical syllogism, validity test by Vein diagram.
Unti-iii. Fallacies--Formal and informal.Explaination and Hypothesis--Scientific.
Unit-IV. Techniques of symbolization, Formal proof of validity--10 rules.
Unit-v. Rules of inference (10+9==19 rules.)

Paper-III. Western Epistemology.
Unit-I. Knowledge and belief--their definition,nature nad relation.
Unit-II. Scepticism and possibilty of knowledge of Other mind.
Unit-III. Theories of truth--Correspondence, Coherence and Pragmatic.
Unit-iv. Evaluation of Rationalism , Empiricism and Criticalism.
Unit-v. Meaning and reference , Knowledge of knowledge, limits of knowledge.

Paper-IV. Western Metaphysics.
Unit-I. Metaphysics--Definition, Scope,Possibility and Concerns.
Unit-ii. Appearence and Reality,Realism--for and against, Universals.
Unit-III. Substance--Rationalism,Empiricism and Process veiw of Reality.
Unit-iv. Causal theories , Space and Time.
Unit-v. Mind and Body--Dualism, Materialism, Self-knowledge and self- identity.

Semester-III

Paper -I Indian Philosophy of Language.

Unit-I Problem of meaning--Abhidha, Classes of words , Brief account of Akritivada,Vyaktivada,Apohavada,Shabda Bodha.

Unit-II Sphota-Patanjali and Bhartrihari, Arguments against Sphota.

Unit-III. Conditions of knowing sentence- meaning(Vakyartha) Akanksha ,Yogyata, Sannidhi,Tatparya jnana; Comprehension of sentenec meaningAnvitavidhanavada , Abhihitanvayavada.

Unit-IV. Mimamsaka theory of Bhavana and its criticism.

Unit--V. Metaphysical basis of language--Shabda Brahamn of Bhartrihari.

Paper II Analytical Philosophy

Unit I Definition,Nature and Necessity of Anlytical Philosopjhy.

Unit-II Logical Positivism and Verification Principle - A.J.Ayer

Unit-III Ludwing Wittgenstivin - Atomic facts, Elementary proposition, Picture theory, Use theory , Language game.

Unit-IV thesories of meaning- relation between mesaning and truth, Proper names and definite description.

Unit-V Eliminationof metaphysics - A.J.Ayesr, Witt and M. Schlick.

Paper III 'Modern Indian Thought

Unit- I Characteristic features,Indian Philosophy today - Problems & direction. Swami Viveskanand - Universal Religion ,Practical, Vedanta.

Unit-II Rabindra Nath Tagore-Man and God , Religion of Man.
Mahatma Gandhi- Non-violence,Criticismof modern civilization.

Unit-III Dr.S.Radhakrishnan- Intellect and Intution
Synthesis of East and West.
Sri Aurobindo- Reality as Sat-Cit-Anand ,thleory of evolution.

Unit-IV. M.N. Roy - Criticism of communism,Radical Humanism.
K.C.Bhattacharya-Grads of Consciousness, Interpretation of Maya.

Unit-V. B.R. Ambedkar- Criticism of social evil.
Acharya Rajnish(Osho)- Concept of Education.

PAPER-IV. Phenomelogy & Existentialism

Unit-I. Phenomenology : Meaning and methodology.

Unit-II Husserl Natural world thesis, Essence and essential .

Unit-III. Heidegger-- Being :Dasein.
Merleau Ponty : Phenomenology perception.

Unit-IV Existentialism: Characteristics, common grounds and diversities among existentialist.

Unit- V Freedom : decision and choice.
Authentic and non-authentic existen

SEMESTER-IV

Paper I A. Advaita Vedanta

Unit-I. Theories of Adhyasa, Maya,Avidya and Vivartavada.
Unit-II. Concept of Brahman, Atman, Jiva, Jagat and Moksha.
Unit-III. Tarkapada of Sharirak Bhashya--Criticism of Samkhya and Vaiseshika by Shankara.
Unit-IV. Criticism of Jainism and Buddhism by Shankara.
Unit-V. Criticism of Shankara by Ramanuja.

OR

Paper I B. Philosophy of Gandhi

Unit-I. Life sketch, Contemporary conditions and religions influencing Gandhi's thoughts , Sarvodaya.
Unit-II. Nature of God, Jiva, Jagat,quality of Religions(Sarvadharmasamabhava).
Unit-III. Satyagraha and Ahimsa--a socio-ethical interpretation.
Unit-IV. Varna system, Trusteeship.
Unit-V. Relevance of Gandhi's philosophy--with special reference to Peace, Globalization and Swadeshi.

Paper-II A. Philosophy of Yoga.

Unit-I. Definitions ,need of Yoga in modern living, Concept of Chitta and Vrittis.
Unit-II. Ashtanga Yoga- Yma,Niyama, Asana Pranayam, Pratyahara, Dharana, Dhyana and Samadhi.
Unit-III. Two types of Samadhi,Attainment of samadhi through meditating on God,
Unit-IV. Five Kleshas and their nature,Conjunction of Drishta and Drishya-the root cause of ignorance,Kaivalya -removal of Avidya.
Unit-V. Eight siddhis resulting from contol over chitta and thier description, Kaivalya only when siddhis are transcended.

OR

Paper-II B.Nyaya Philosophy.

Textual study of any one of the following--

1. Selection from Tattvachintamani of Gangesha.
2. Tarksamgrah of Annambhatta.
3. Tarkabhasha of Keshav Misha.
4. Nyayasutra bhashya of Vatsyayana.

Paper III A. Applied Ethics.

Unit - I Nature and Scope of Applied Ethics. Teleological Approach to moral actions.

Unit - II Valukes - Value and disvalue , Value neutrality and culture, Specific values.

Unit -III Public and private morality, Applied ethics and Politics.

Unit-IV Professional ethics - Morals and laws of profession, Ethical codes of conduct for various professions and their professionals.

Unit- V Socsial justice-Philosophical perspectives and presuppositions, Limits of Applied Ethics.

OR

PAPER III (B) ETHICS AND SOCIETY

Unit - I Individual and Social morality, Purushartha, Sadharana Dharma.

Unit - II Varna Dharma , Ashrama Dhkarma, Nishkam Karma.

Unit - III Kant - Thke ethics of Duty, respected for person, Bradley-Station and its dities.

Unit - IV Sexual morality , Abortion, Job Discrimination and Caste- base reservation -for and against.

PAPER - IV (A) COMPARATIVE RELIGION

Unit -I Problem and methods of study of Religions : Comparative Religion Need and Possibility.

Unit - II Critical study of Myths, Rituals and Cult,Functionalism and Structuralism.

Unit - III Hinduism, Tribal Religions of India (Specially Chattishgarh)

Unit - IV Islam and Crischians .

Unit - V Inter-religious dialogues , Religion and secular society, Possibility of Universal Religious.

OR

PAPER - IV (B)

Philosophy of Swami Vivekanand

Unit -I Impact of Traditional Vedantaon Vivekanand,General Introroductin of Navya Vedanta'

Unit - II Vedanta ofVivekanand,- Bramhan ,Maya , Jiwa , and Moksha.

Unit -III Dharma Darshan of Vivekanand - Nature of Religion, Resligious tolerance, Universal Religion.

Unit-IV Four Yogas of Vivekananda - Jnana, Bhakti , Karma , and Raja yogas.

Unit-V Social Philosophy of Vivekanand- Concept and relevence of Indian Societyk, Social Justice.